भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 28.03.2019

बनारस की पौराणिकता पर बनेगा एप

कार्यशाला रिपोर्ट

वाराणसी | निज संवाददाता

दुनिया को काशी की प्राचीनता से अवगत कराने के लिए आईआईटी बीएचयू एप बनाएगा। प्रोजेक्ट वाराणसी के तहत बनने वाले इस एप में शहर के धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व को प्रदर्शित किया जाएगा।

इसमें हेरीटेज वॉक, काशी की महत्ता बताने वाले भवन, पुराने वास्तुशिल्प के आधार पर बने भवनों, लुप्त होते पौराणिक मंदिरों का इतिहास, पंचक्रोशी यात्रा, मान महल घाट स्थित वेधशाला की जानकारी होगी। यह जानकारी प्रोजेक्ट वाराणसी के तहत हुई कार्यशाला की रिपोर्ट में दी गई है। आईआईटी बीएचयू में 16 से 22 मार्च तक चले कार्यशाला की रिपोर्ट बुधवार को जारी की गई।

रिपोर्ट के अनुसार देश-विदेश के विद्वानों ने बनारस का भ्रमण करके धार्मिक पर्यटन स्थल, परिवहन और पर्यटन विषय पर सुझाव दिया गया है। विशेषज्ञों की टीम यूएसए स्थित जार्जिया विश्वविद्यालय में आयोजित वर्कशाप में शिरकत करेगी, जहां विकसित शहरों का रोल मॉडल तैयार कर वाराणसी में विकास की रूपरेखा बनाई जाएगी। प्रोजेक्ट वाराणसी के समन्वयक तथा केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. आरएस सिंह ने बताया कि आईआईटी बीएचयू तथा आईआईटी खड़गपुर की ओर से हुई कार्यशाला में शहर का सर्वे किया गया। इसमें वाराणसी के पर्यटन को विकसित करने के लिए एक एप और ब्रोशर तैयार किया जा रहा है। तालाबों की सफाई के लिए बैक्टीरिया आधारित शोध पर भी आईआईटी में काम किया जा रहा है। रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने बनारस में प्रदूषण की समस्या पर भी चर्चा की।

जार्जिया में प्रस्तुत करेंगे रिपोर्ट: आईआईटी बीएचयू में प्रोजेक्ट वाराणसी के तहत आयोजित कार्यशाला की रिपोर्ट अगले महीने 18 से 23 अप्रैल तक यूएसए स्थित जार्जिया विश्वविद्यालय में आयोजित छह दिवसीय कार्यशाला में प्रस्तुत की जाएगी।